

लियाकत स्त्री. (अर.) 1. लायक होने का भाव या गुण 2. किसी कार्य को कर पाने का गुण या योग्यता 3. सामर्थ्य 4. शालीनता।

लिलकना अ.क्रि. (तत्.) दे. ललकना।

लिलाट पुं. (तत्.) दे. ललाट।

लिलार पुं. (देश.) 1. दे. ललाट 2. कुएँ का वह खुला भाग जहाँ मोट से पानी गिराते हैं।

लिलारी पुं. (देश.) रंगरेज, कपड़े रंगने वाला।

लिलाही वि. (देश.) हाथ से बटा हुआ सूत।

लिलोही वि. (देश.) लोभ करने वाला।

लिव स्त्री. (देश.) लो, लगन।

लिवर पुं. (अं.) यकृत, जिगर। liver

लिवाना स.क्रि. (देश.) 1. लाना का प्रेरक रूप 2. लेना का प्रेरक रूप।

लिवाल वि. (देश.) लेवाल, लेने वाला।

लिवैया वि. (देश.) 1. लेने वाला 2. खरीदने वाला, ग्राहक 3. लिवाने वाला।

लिशकना अ.क्रि. (देश.) दमकना, चमक दिखाना, रह रहकर चमकना जैसे- बिजली लिशकना।

लिशकाना स.क्रि. (देश.) लिशकना का प्रेरक रूप, चमकाना।

लिसना अ.क्रि. (देश.) लसना, चिपकना स.क्रि. चिपकाना।

लिसान स्त्री. (अर.) 1. जीभ, ज़बान 2. भाषा, बोली, ज़बान।

लिसौड़ा पुं. (देश.) 1. मँझोले आकार का वृक्ष जिसके फल प्रायः छोटे बेर के बराबर होते हैं और खाँसी, दमा में गुणकारी माने जाते हैं 2. इस वृक्ष के फल, लिटोरा, लभरा।

लिस्ट स्त्री. (अं.) सूची। list

लिह वि. (तत्.) चाटने वाला, टि. यह शब्द समासांत में ही प्रयुक्त होता है।

लिहना स.क्रि. (तद्.) लिखना।

लिहाज पुं. (अर.) 1. आदरयुक्त संकोच का भाव 2. विचार जैसे- उमर के लिहाज से बीमारी अत्यंत जटिल है 3. पक्षपात जैसे- आप तो सिर्फ पुराने का लिहाज करते हैं 4. फर्क या अंतर जैसे- समय किसी का लिहाज नहीं करेगा।

लिहाजा अव्य. (अर.) अतः, इसलिए।

लिहाड़ा वि. (देश.) 1. नालायक और निकम्मा 2. बेकार और निरूपयोगी (पदार्थ)।

लिहाड़ी स्त्री. (देश.) उपहास करने के लिए किया गया मज़ाक।

लिहाफ़ पुं. (अर.) रुई की बनी रजाई।

लिहित वि. (तद्.) चाटा हुआ, लीढ।

लीक स्त्री. (देश.) 1. लकीर, लाइन, रेखा जैसा चिह्न जैसे- बैलगाड़ी की लीक, पगडंडी 2. परंपरा, रीति, विधि 3. सीमा, मर्यादा 4. बतख से छोटी मटियाले रंग की एक चिड़िया।

लीकति पुं. (तत्.) दे. लीक।

लीख स्त्री. (तद्.) जूँ का अंडा।

लीग स्त्री. (अं.) 1. संस्थाओं, देशों आदि का समूह 2. एक राजनैतिक दल- मुस्लिम लीग 3. दूरी की एक नाव।

लीगी वि. (देश.) लीग का सदस्य।

लीचड़ वि. (देश.) 1. सुस्त, धीरे-धीरे काम करने वाला 2. निकम्मा 3. चिपक जाने वाला 4. घटिया स्वभाव का।

लीची स्त्री. (चीनी-ली-चू) 1. एक बड़ा वृक्ष, जिसके फल मीठे और रसदार होते हैं 2. इस वृक्ष का फल टि. इस फल पर पतला और खुरदरा छिलका होता है तथा अंदर मोटी सी गुठली होती है और दोनों के बीच गूदे की एक मोटी परत होती है, इसे ही खाते हैं।

लीज़ स्त्री. (अं.) राजस्व. पट्टा, वह करारनामा जिसके अनुसार ज़मीन या जायदाद का मालिकाना अधिकार एक निश्चित अवधि के लिए ही होता है।